ANNUAL SECONDARY EXAMINATION, 2020

HINDI (हिन्दी)

समयः 3 घण्टे] **SET-A** **[पूर्णांक: 80**

सामान्य निर्देश :

1. इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड हैं यथा क, ख, ग एवं घ। चारों खण्डों से सभी प्रश्न अनिवार्य है।

2. प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के साथ दिए गए निर्देश के आलोक में ही लिखें।

3. 1 अंक के प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक एक शब्द या एक वाक्य में, 2 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 40 शब्दों में, 3 अंक के प्रश्नों के उतर प्रत्येक लगभग 60 शब्दों में, 4 अंक के प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक लगभग 80 शब्दों में, 5 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में एवं 10 अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में लिखें।

खण्ड-क : अपठित गद्यांश एवं काव्यांश

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उससे पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

व्यक्ति का आचरण या चाल-चलन चरित्र कहलाता है। शक्ति का कार्यकारी रूप बल है। आचरण और व्यवहार में शुद्धता रखते हुए दृढ़ता से कर्त्तव्य पथ पर बढ़ते रहना चरित्र-बल है। व्यक्तित्व की निश्छल स्वाभाविक प्रस्तुति चरित्र-बल है। यूनानी साहित्यकार प्लूटार्क के शब्दों में चरित्र-बल केवल सुदीर्घकालीन स्वभाव की शक्ति है। चरित्र बल ही मानवीय गुणों की मर्यादा है । स्वभाव और विचारों की दृढ़ता का सूचक है। तप, त्याग और तेज का दर्पण तथा सुखमय सहज जीवन जीने की कला है। आत्म-शक्ति के विकास का अंकुर है, सम्मान और वैभव की सीढ़ी है। चरित्र-बल अजेय है, भगवान को परम प्रिय है और है संकट का सहारा। उसके सामने ऋद्धियाँ सिद्धियाँ तक का कोई मूल्य नहीं। वह ज्ञान, भक्ति और वैराग्य से परे है। विद्वता उसके मुकाबले कम मूल्यवान है । चरित्रवान की महत्ता व्यक्त करते हुए शेक्यपियर लिखते हैं कि उसके शब्द इकरारनामा है। उसकी शपथें आप्तवचन हैं। उसका प्रेम निष्ठापूर्वक है। उसके विचार निष्कलंक हैं। उसका हृदय छल से दूर जैसे स्वर्ग पृथ्वी से।

चरित्र-बल जन्मजात नहीं होता, यह तो मानव की स्वयं निर्मित है। 'सैमुअल स्माइल्स' की उक्ति है कि आत्म त्याग, प्रेम तथा कर्त्तव्य से प्रेरित किए गएं बड़े-बड़े कार्यों से ही चरित्र बल का निर्माण होता है।

प्रश्न :

(क) चरित्र - बल से आप क्या समझते हैं?

(ख) चरित्र - बल का निर्माण किस प्रकार होता हैं?

(ग) चरित्र - बल के सम्बन्ध में 'सैमुअल स्माइल्स' के क्या विचार थे?

(घ) 'चरित्र' के क्या आशय हैं?

(ङ) 'मानवीय' शब्द क्या है? (संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण)

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उससे पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

पथ भूल न जाना पथिक कहीं
पथ में काँटे तो होंगे ही
दूर्वादल - सरिता सर होंगे
सुन्दर गिरि वन वापी होंगी
सुन्दर सुन्दर निर्झर होंगे
सुन्दरता की मृगतृष्णा में
पथ भूल न जाना पथिक कहीं ।।

जब जीवन कठिन कर्म-पगडंडी पर
राही का मन उन्मुख होगा।
जब सपने सब मिट जाएँगे
कर्त्तव्य मार्ग सम्मुख होगा
तब अपनी प्रथम विफलता में

पथ भूल न जाना पथिक कहीं ।।

अपने भी विमुख-पराएं बन,

आँखों के सम्मुख आएँगे,

पग-पग पर घोर निराशा के,

काले बादल छा जाएँगे

तब अपने एकाकीपन में

पथ भूल न जाना पथिक कहीं ।

रणभेरी सुन कह विदा विदा

जब सैनिक पुलक रहे होंगे ।

हाथों में कुंकुम थाल लिए

कुछ जलकण दुलक रहे होंगे।

तब कर्त्तव्य-प्रेम की उलझन में

पथ भूल न जाना पथिक कहीं । ।

प्रश्न :

(क) कवि को किस स्थिति में पथिक के पथ भूलने की आशंका हैं?

(ख) राही एकाकीपन का अनुभव कब करता है?

(ग) कवि किस पथ न भूलने की बात कर रहे हैं?

(घ) कवि ने 'काँटे' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया है?

(ङ) यहाँ 'पथिक' का प्रयोग किस अर्थ में हुआ है?

खण्ड-ख : व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न 3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:

(क) वह बच्चा लगातार हँस रहा है। (क्रिया के भेद का नाम लिखिए)

(ख) विभाकर गाय का दूध पीता है। (क्रिया पद छाँटकर लिखिए)

(ग) वह सिर खुजला रहा है। (क्रिया पद छाँटकर लिखिए|)

प्रश्न 4. रिक्त स्थानों की पूर्ति अव्यय पदों से कीजिए:

(क) बच्चा चाँद ..... देख रहा है।

(ख) चन्द्रशेखर अब ..... स्वस्थ है।

(ग) उसने तुम्हारी शिकायत नहीं ..... प्रशंसा की।

(घ) ..... बोलो, कोई सुन लेगा ।

प्रश्न 5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:

(क) मैं जैसे ही स्टेशन पहुँचा कि गाड़ी छूट चुकी थी। (यह कौन वाक्य हैं?)

(ख) सूर्योदय होते ही उजाला फैल गया। (इसे संयुक्त वाक्य में बदलें)

(ग) मजदूर पेड़ काट रहे हैं। (कर्मवाच्य में बदलें)

(घ) बच्चा खा रहा है। (भाववाच्य में बदलें)

प्रश्न 6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:

(क) 'कर्मवीर' का समास विग्रह करें।

(ख) 'पंकज' कौन समास हैं?

(ग) अव्ययीभाव समास का एक उदाहरण दें।

(घ) 'पत्र' के दो भिन्न अर्थ लिखिए ।

खण्ड-ग : पाठ्य-पुस्तकें

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

बालगोबिन भगत की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया जिस दिन उनका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह। कुछ सुस्त और बोदा-सा था, किन्तु इसी कारण

बालगोबिन भगत उसे और भी मानते। उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज्यादा नजर रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए, क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज्यादा हकदार होते हैं। बड़ी साध से उसकी शादी कराई थी, पतोहू बड़ी ही सुभग और सुशील मिली थी। घर की पूरी प्रबंधिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत्त कर दिया था उसने ।

प्रश्न:

(क) बालगोबिन भगत की संगीत - साधना का चरम उत्कर्ष कब और कहां देखा गया?

(ख) बालगोबिन भगत की पतोहू कैसी थी ? उसका व्यवहार कैसा था?

(ग) बालगोबिन भगत का बेटा कैसा था ?

अथवा

मैं नहीं जानता इस सन्यासी ने कभी सोचा था या नहीं कि उसकी मृत्यु पर कोई रोएगा। लेकिन उस क्षण रोने वालों की कमी नहीं थी। (नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है) इस तरह हमारे बीच से वह चला गया जो हम में से सबसे अधिक छायादार फल-फूल गंध से भरा और सबसे अलग, सबका होकर, सबसे ऊँचाई पर, मानवीय करुणा की दिव्य चमक में लहलहाता खड़ा था। जिसकी स्मृति हम सबके मन में जो उनके निकट थे किसी यज्ञ की पवित्र आग की आँच की तरह आजीवन बनी रहेगी। मैं उस पवित्र ज्योति की याद में श्रद्धानत हूँ।

प्रश्न :

(क) किसे सबसे अधिक छायादार, फल-फूल गंध से भरा कहा गया है और क्यों ?

(ख) मानवीय करुणा की दिव्य चमक लहलहाने वाला किसे कहा गया है और क्यों ?

(ग) लेखक किस पवित्र ज्योति की याद में श्रद्धानत हैं?

प्रश्न 8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) लेखक को नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं है?

(ख) लेखिका (मन्नू भंडारी) की अपने पिता से वैचारिक टकराहट को अपने शब्दों में लिखिए ।

(ग) बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?

(घ) “वो लँगड़ा क्या जाएगा फौज में पागल है पागल !" कैप्टन के प्रति पानवाले की इस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया दीजिए।

प्रश्न 9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य !

चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य!

इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा संपर्क

उँगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क.

देखते तुम इधर कनखी मार

और होतीं जबकि आँखें चार

तब तुम्हारी दंतुरित मुसकान

मुझे लगती बड़ी ही छविमान ।

प्रश्न :

(क) बच्चे की दंतुरित मुसकान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(ख) कवि ने अपने लिए 'चिर प्रवासी', 'इतर' और 'अन्य' विशेषणों का प्रयोग क्यों किया है?

(ग) 'मधुपर्क' किसे कहते हैं?

अथवा

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में

खो चुका होता है

या अपने ही सरगम को लाँघकर
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में
तब संगतकार ही स्थायी को संभाले रहता है
जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान
जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान
जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन
जब वह नौसिखिया था।